



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Duplicate

सं. 4] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, असाधा० 12, 1979/आषाढा० 21, 1900

No 4] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 12, 1979/ASADHA 21, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे ये यह असाधा० संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1979

का. नि. आ. 4 (अ).—शस्त्र सेना (आपात दृश्यत्वां) अधिनियम 1947 (1947 का 15वां) की धारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, प्राद्वारा दिल्ली रांघ क्षेत्र में बिजली के उत्पादन, संभरण तथा वितरण से संबंधित प्रत्येक सेवा को समाज के लिए अति महत्व की सेवा धौषित करती है।

[फाइल संख्या 2(58)/79/डी(जी. एस.-1)]

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 11th July, 1979

S.R.O. 4(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), the Central Government hereby declares every service connected with the generation supply and distribution of electricity in the Union Territory of Delhi to be a service of vital importance to the community.

[F. No. 2(58)/79/D(G.S.I)]

का. नि. आ. 5 (अ).—शस्त्र सेना (आपात दृश्यत्वां) अधिनियम 1947 (1947 का 15वां) की धारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, प्राद्वारा दिल्ली रांघ क्षेत्र में बिजली के उत्पादन, संभरण तथा वितरण से संबंधित सेवा के प्रत्येक भाग को अथवा इनसे संबंधित सभी सेवाओं को समाज के लिए अत्यधिक महत्व की सेवा धौषित करती है।

[फाइल संख्या 2(58)/79/डी(जी. एस.-1)]

हर मन्द्य सिंह, संचयक सचिव

S.R.O. 5(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), the Central Government hereby declares every service forming part of or connected with Delhi Water Supply and Sewage Disposal Undertaking in the Union Territory of Delhi to be a service of vital importance to the community.

[F. No. 2(58)/79/D(G.S.I)]

HAR MANDER SINGH, St. Secy.

